राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के लिए स्वीकृत की दो शोध परियोजनाएं

पंतनगर। 7 अक्टूबर, 2009। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत उत्तराखण्ड शासन ने वर्ष 2009–10 के लिए रू. 83.09 लाख की दो शोध परियोजनायें स्वीकृत की हैं। उत्तराखण्ड की स्थानीय नस्ल की बकरियों में सुधार से सम्बन्धित पहली परियोजना 'कैरेक्टेराइजेशन ऑफ लोकल (पन्तजा) गोट्स एंड देयर जैनेटिक इम्परूवमेंट बाई इस्टेबलिशिंग ओपन न्यूक्लियस ब्रीडिंग सिस्टम' है जिसके परियोजना अधिकारी डा. डी.वी. सिंह, प्राध्यापक, लाइवस्टॉक प्रोडक्सन एंड मैनेजमैंट हैं। इस परियोजना की लागत रू. 24.76 लाख है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य नैनीताल एवं ऊधम सिंह नगर जिलों की पन्तजा बकरियों के उत्पादन में सुधार लाना तथा पन्तजा नस्ल के बकरों को किसानों को उचित दर पर उपलब्ध कराना है। यह परियोजना आगामी वर्षों में भी जारी रहेगी जिससे उनकी नस्ल एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं सुधार होगा।

दूसरी परियोजना उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में औद्यानिक फसलों की उत्पादकता बढ़ाने हेतु गुणवत्तायुक्त बीज एवं पौध सामग्री के उत्पादन से सम्बन्धित है। इस परियोजना के परियोजना अधिकारी डा. पुरूषोत्तम कुमार, प्रभारी अधिकारी, औद्यानिक शोध केन्द्र, श्रीनगर हैं। परियोजना की लागत रू. 58.33 लाख है तथा इसके मुख्य उद्देश्य उत्तराखण्ड के औद्यानिक सेक्टर का विकास करना एवं उच्च गुणवत्ता वाले फल पौधे एवं सब्जी बीज तैयार करना तथा किसानों को उद्यान के विषय में प्रशिक्षण देकर उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार करना होंगे।

कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने दोनों परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए राज्य सरकार का आभार प्रकट किया है तथा आशा प्रकट की है कि ये परियोजनाओं उत्तराखण्ड में पशुपालन एवं औद्यानिक क्षेत्र के विकास तथा किसानों की आय में वृद्धि करने में सहायक होंगी।